File No.T-74074/10/2019-WSE DTE

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Business Line, Delhi
Monday, 1st March 2021; Page: 2
Width: 25.74 cms; Height: 26.42 cms; a3; ID: 18.2021-03-01.23

MANN KI BAAT

Ahead of monsoon, PM calls for 100-day campaign to clean up water bodies

Move to conserve as much of the monsoon rain as possible water

OUR BUREAU

New Delhi, February 28

Prime Minister Narendra Modi on Sunday called for a 100-day campaign to clean up all water bodies and prepare them for rainwater harvesting before the monsoon starts.

"We shall have to understand our collective responsibilities with regard to water. In most parts of India, rainfall begins in May-June. Can we right away start a 100-day campaign for the sake of cleaning up water sources around us and conserving rainwater?," he said in his monthly *Mann Ki Baat* broadcast.

'Catch the rain' campaign

Highlighting that the Union Jal Shakti Ministry is also launching a campaign with the theme 'Catch the rain, where it falls, when it falls', he asked people to commit themselves for this cause.

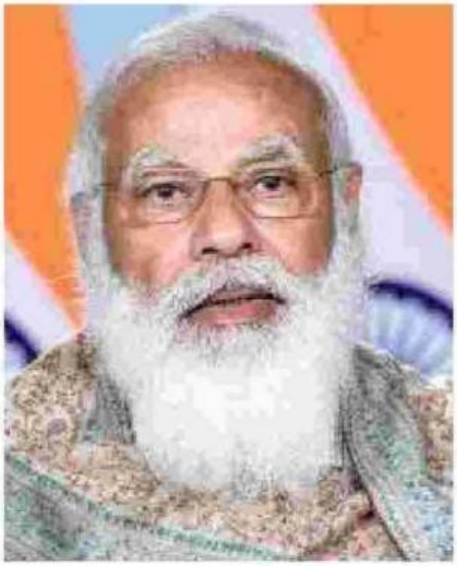

Prime Minister Narendra Modi

"We shall get existing rainwater harvesting systems repaired, clean up lakes and ponds in villages, remove impediments in the way of water flowing into sources; thus we shall be able to conserve rainwater to the maximum," Modi said.

The Prime Minister also said that when people feel proud of indigenous products, then Aatmanirbhar Bharat does not just remain an economic programme but becomes a national spirit.

He said there is a need to make science more popular across the country and asserted that science cannot be limited to physics-chemistry and labs. Modi called for expanding science with a mantra of 'lab to land'.

'Missed learning Tamil'

He also rued not being able to make enough efforts to learn the world's oldest language, Tamil. "In run up to *Mann Ki Baat*, I was asked if there was something I missed out on during these long years as Chief Minister and Prime Minister. I feel – it is a regret of sorts that I could not make enough effort to learn the world's oldest language Tamil. Tamil literature is beautiful," Modi said.

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

File No.T-74074/10/2019-WSE DTE
Rajasthan Patrika, Delhi
Monday, 1st March 2021; Page: 12
Width: 9.65 cms; Height: 16.43 cms; a4; ID: 40.2021-03-01.125

मन की बात : तमिल भाषा नहीं सीख पाने का खेद

पारस से ज्यादा महत्त्वपूर्ण है पानी: पीएम मोदी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के 74वें संस्करण में जल संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने कहा, इस बार हरिद्वार में कुंभ हो रहा है। जल हमारे लिए जीवन भी है, आस्था भी है और विकास की धारा भी है। पानी एक तरह से पारस से भी ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। हमें आज से ही जल संरक्षण के प्रयास शुरू कर देने चाहिए।

उन्होंने कहा कि जब हम दुनिया के अलग-अलग देशों में मेड इन इंडिया कोरोना की वैक्सीन को पहुंचते हुए देखते हैं तो हमारा सिर गर्व से और ऊंचा हो जाता है। तमिल भाषा नहीं सीखने पर अफसोस जताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मैं तमिल नहीं सीख पाया। यह एक ऐसी सुंदर भाषा है, जो दुनिया भर में लोकप्रिय है।

छात्र वॉरियर बनें

पीएम ने छात्रों से कहा है कि उन्हें वॉरियर बनना है, वरियर नहीं। हंसते हुए परीक्षा देने जाना और मुस्कुराते हुए लौटना है। किसी और से नहीं, खुद से स्पर्धा करनी है। पर्याप्त नींद भी लें और टाइम मैनेजमेंट भी करें। खेलना भी न छोड़ें, क्योंकि जो खेले, वो खिले। रिवीजन और याद करने के स्मार्ट तरीके आजमाएं। पीएम ने देश के युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि आपको कभी भी नया सोचने, नया करने में, संकोच नहीं करना चाहिए।

File No.T-74074/10/2019-WSE DTE
PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार
Hindustan, Delhi
Monday, 1st March 2021; Page: 15
Width: 16.48 cms; Height: 12.31 cms; a4; ID: 16.2021-03-01.142

समय से पूरी होंगी बिहार में चल रही नमामि गंगे के तहत परियोजनाएं: ए.के. सिंह

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के महानिदेशक श्री राजीव रंजन मिश्रा की अध्यक्षता में आज नमामि गंगे मिशन के सहयोग से, बिहार में चल रही विकास परियोजनाओं पर समीक्षा बैठक की गई।

बैठक के दौरान ईडी (प्रोजेक्ट्स) श्री अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व वाली एनएमसीजी की टीम ने एक ग्राउंड रिपोर्ट पेश की, जिसे सभी हितधारकों से मिलने और पटना एवं अन्य क्षेत्रों में चल रही सभी परियोजना का निरीक्षण करने के बाद बनाया गया था।

इस समीक्षा बैठक में नमामि गंगे मिशन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न परियोजनाएं पर विस्तृत चर्चा की गई। बता दें कि इन परियोजनाएं में मुख्य रूप से सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और रिवर फ्रंट निर्माण से लेकर जैविक खेती और सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली तक शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि नमामी गंगे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना है।

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

File No.T-74074/10/2019-WSE DTE
Dainik Jagran, New Delhi
Monday, 1st March 2021; Page: 11
Width: 16.71 cms; Height: 17.27 cms; a4; ID: 39.2021-03-01.106

मोक्षदायिनी गंगा का जलस्तर बढ़ने के साथ ही कम हुआ है प्रदूषण

राजेश त्रिपाठी • वाराणसी

- घुलित आक्सीजन की मात्रा बढ़ी, जल में दृश्यता चार फीट तक हुई
- महामना मालवीय गंगा शोध केंद्र की टीम ने दी ग्राउंड परीक्षण रिपोर्ट

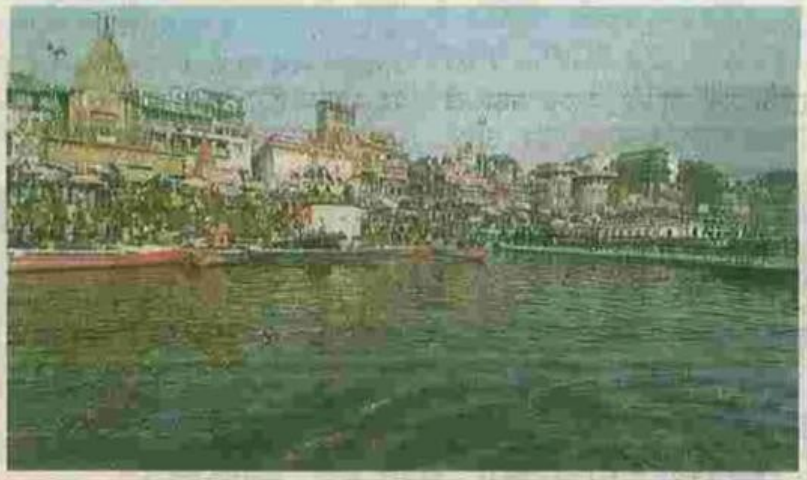

दशाश्वमेध व पास के घाटों पर रोज बड़ी संख्या में श्रद्धालु करते हैं गंगा स्नान • जागरण

काशी हिंदू विश्वविद्यालय स्थित महामना मालवीय गंगा शोध केंद्र में प्रशिक्षित 300 गंगा मित्रों की टोली ने 26 फरवरी को शूलटंकेश्वर घाट से वरुणा संगम स्थल स्थित आदि केशव घाट तक परीक्षण कर गंगा की ग्राउंड जीरो रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट के मुताबिक काशी में गंगा का जलस्तर बढ़ने के साथ प्रदूषण घटा है। पहले गंगा जल में डेढ़ फीट तक भी दृश्यता नहीं थी, लेकिन अब चार फीट तक जल के भीतर देखा जा सकता है। गंगा में अधिक संख्या में मछलियों का मिलना भी पानी के स्वच्छ होने का प्रमाण है।

महामना मालवीय गंगा शोध केंद्र के अध्यक्ष प्रो. बीडी त्रिपाठी ने बताया कि काशी में गंगा के स्वच्छ होने के केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दावे के बाद हमने भी जांच की। पाया कि गंगा का प्रवाह बढ़ा है और जल में भी पर्याप्त वृद्धि हुई है। पानी का घुलित आक्सीजन (डीओ) 8 से 9 मिलीग्राम प्रति लीटर हो गया है। जब जल में डीओ की मात्रा 8.0 मिग्रा/लीटर से कम होती है तो ऐसे जल को प्रदूषित संदूषित कहा जाता है। जब यह मात्रा 4.0 मिग्रा/लीटर से कम हो तो इसे अत्यधिक प्रदूषित कहा जाता है। गंगा में बायो केमिकल आक्सीजन डिमांड यानी बीओडी (आक्सीजन की वह मात्रा जो जल में कार्बनिक पदार्थों के जैव रासायनिक अपघटन के लिए आवश्यक होती है) की मात्रा भी तीन मिमी प्रति लीटर पहुंच गई है। जो यह बताता है कि गंगा में प्रदूषण काफी घटा है। उच्च स्तर के बीओडी का मतलब पानी में मौजूद कार्बनिक पदार्थों की बड़ी मात्रा को विघटित करने के लिए अत्यधिक आक्सीजन की आवश्यकता है।

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

File No.T-74074/10/2019-WSE DTE

Dainik Jagran, New Delhi
Monday, 1st March 2021; Page: 3
Width: 27.69 cms; Height: 18.37 cms; a3r; ID: 39.2021-03-01.16

अब 'सिंधु नेत्र' से जलक्षेत्र की निगहबानी

अंतरिक्ष में भारत : डीआरडीओ के उपग्रह को इसरो के पीएसएलवी-सी51 राकेट ने कक्षा में किया तैनात

नई दिल्ली, एजेंसियां: चीन की चालों और पाकिस्तान की नापाक हरकतों पर भारत अब और नजदीकी नजर रख सकेगा। 'सिंधु नेत्र' उपग्रह के सफल प्रक्षेपण के साथ ही लद्दाख के पहाड़ी इलाकों से लेकर हिंद महासागर क्षेत्र (आइओआर) की हर छोटी-बड़ी गतिविधियों पर निगरानी रखने की भारत की क्षमता बढ़ गई है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 'सिंधु नेत्र' और ब्राजील के अमेजोनिया-1 समेत 19 उपग्रहों का रविवार को सफल प्रक्षेपण किया।

आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सुबह 10:24 बजे ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान यानी पीएसएलवी-सी51 से इन सभी उपग्रहों को प्रक्षेपित किया गया। यह न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआइएल) द्वारा पहला पूरी तरह से व्यावसायिक प्रक्षेपण था। इसरो के व्यावसायिक प्रक्षेपण के काम को देखने के लिए 2019 में विज्ञान विभाग के तहत एक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के तौर पर एनएसआइएल का गठन किया गया था।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के युवा विज्ञानियों ने सिंधु नेत्र उपग्रह को विकसित किया है। यह उपग्रह हिंद महासागर क्षेत्र में संचालित युद्धपोत और व्यापारिक पोत की खुद से पहचान कर लेगा। सूत्रों ने बताया कि सिंधु नेत्र से भारत की क्षमता बहुत अधिक बढ़ गई है। चीन से लगने वाले लद्दाख क्षेत्र से लेकर पाकिस्तान के सीमवर्ती इलाकों पर इसके जरिये नजदीकी नजर रखी जा सकेगी। इसके अलावा दक्षिण चीन सागर, अदन की खाड़ी और अफ्रीकी तटों पर भी इससे नजर रखी जा सकेगी।

अमेरिका के 13 उपग्रह: कोरोना महामारी के बाद इसरो का यह पहला अंतरिक्ष मिशन है। यह पूरी तरह से व्यावसायिक प्रक्षेपण है। इसरो ने ब्राजील के अर्थ ऑब्जर्वेशन सेटेलाइट अमेजोनिया-1 के साथ ही अमेरिका के 13 और भारत के पांच उपग्रहों को लांच किया है। भारतीय उपग्रहों में सतीश धवन सेटेलाइट व यूनिटी सेटेलाइट भी शामिल है। एसडी-सैट चेन्नई स्थित स्पेस किड्ज इंडिया का छोटा उपग्रह है, जबकि यूनिटी देश के तीन इंजीनियरिंग एवं तकनीकी शैक्षणिक संस्थानों का संयुक्त उपग्रह है। एसकेआइ ने अपने उपग्रह के साथ प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर और डिजिटल फॉरमेट में श्रीमद्भगवतगीता को भी अंतरिक्ष में भेजा है।

सभी उपग्रह कक्षा में स्थापित: इसरो ने कहा कि प्रक्षेपण के करीब 17 मिनट बाद 44.4 मीटर लंबे पीएसएलवी-सी51 ने अमेजोनिया-1 को उसकी कक्षा में सफलतापूर्वक प्रवेश करा दिया। उसके बाद करीब एक घंटे 38 मिनट की उड़ान के दौरान वह सभी अन्य 18 उपग्रहों को उनकी कक्षा में प्रवेश कराता गया। सरकारी सूत्रों ने बताया कि सिंधु नेत्र का जमीन पर स्थित केंद्र से संचार भी शुरू हो गया है।

इसरो ने श्रीहरिकोटा से रविवार को पीएसएलवी-सी51 से एमेजोनिया-वन और 18 अन्य उपग्रह लांच किए • एपी

बड़ी छलांग

- इसरो ने साल के पहले अंतरिक्ष मिशन में ब्राजील के अमेजोनिया-1 समेत 19 उपग्रह कक्षा में किए स्थापित
- श्रीमद्भगवतगीता और पीएम मोदी की तस्वीर भी अंतरिक्ष में भेजी गई

देश के लिए विशेष मिशन : सिवन

देश के लिए इसे एक विशेष मिशन बताते हुए इसरो प्रमुख के. सिवन ने कहा कि इससे उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों को भविष्य में अपना उपग्रह बनाने के लिए बल मिलेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, 'एनएसआइएल (न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड) और इसरो को पीएसएलवी-सी51/अमेजोनिया-1 मिशन के पहले समर्पित व्यावसायिक प्रक्षेपण की सफलता पर बधाई। यह देश के अंतरिक्ष क्षेत्र के विकास में नए युग की शुरुआत है।' प्रधानमंत्री ने ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को भी बधाई दी और अमेजोनिया-1 के प्रक्षेपण को 'ऐतिहासिक क्षण' बताया।

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

File No.T-74074/10/2019-WSE DTE

Dainik Jagran, New Delhi
Monday, 1st March 2021; Page: 11
Width: 38.56 cms; Height: 23.54 cms; a3r; ID: 39.2021-03-01.111

जल आस्था है और विकास की धारा भी : पीएम मोदी

पीएम ने 'मन की बात' में जल संरक्षण पर दिया जोर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: स्वच्छता अभियान की सफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकता में पानी भी शुमार हो गया है। रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के दौरान उन्होंने शनिवार को संपन्न माघ पूर्णिमा का जिक्र करते हुए जल की महत्ता को बताया। हरिद्वार में चल रहे कुंभ के बारे में उन्होंने कहा कि जल हमारे लिए जीवन है, आस्था भी है व विकास की धारा भी। उन्होंने कहा कि पारस के स्पर्श से लोहा जैसे सोने में बदल जाता है, वैसे ही पानी का स्पर्श जीवन के लिए जरूरी है। पीएम ने जल की महिमा का बखान अनायास ही नहीं किया है, बल्कि यह उनकी उच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। अपनी सरकार के पहले कार्यकाल के दौरान मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन को जन आंदोलन बनाकर सफल बना दिया। इसी तर्ज पर सीमित जल संसाधन के संरक्षण पर सरकार का पूरा जोर है।

माघ महीने को विशेष रूप से नदियों, सरोवरों और जलस्रोतों से जुड़ा हुआ माना जाता है। इस दौरान किसी भी जलाशय में स्नान को पवित्र माना जाता है। -नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

<< रेडियो पर 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (फाइल फोटो) ● एएनआइ

खास बातें

- मोदी ने कहा कि जल संचय को लेकर अभी से शुरुआत कर देने की जरूरत है। जल संसाधन मंत्रालय जल्द ही इसी सोच के साथ 'कैच द रेन' अभियान शुरू करने जा रहा है।
- बरसात से पहले जलाशयों, तालाबों व पोखरों की सफाई की जरूरत है। जल संचयन को 100 दिनों का अभियान शुरू किया जा सकता है।
- माइक्रो इरिगेशन से पानी की बर्बादी को रोकना संभव होगा, जिसे प्रोत्साहित किया जा रहा है। शहरों के प्रदूषित जल का शोधन कर इसका पुनः उपयोग किए जाने पर जोर है।

पानी को लेकर शुरू किए गए कई अभियान: जल संरक्षण, हर एक को स्वच्छ पेयजल मुहैया कराने और हर खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचाने के साथ 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' जैसे अभियान शुरू किए गए हैं। इनमें जल संरक्षण की दिशा में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम का प्रदर्शन उल्लेखनीय है। देश के पोखर, तालाब और जलाशयों के पुनरोद्धार की दिशा में उठाया गया कदम सराहनीय है। 'गांव का पानी गांव में' जैसे नारे जल संरक्षण में लगे लोगों की जुबान पर चढ़ गए हैं। बरसात के पानी के संरक्षण को लेकर बढ़ी जागरूकता की वजह से देश के कई हिस्सों में भूजल का स्तर ऊपर आने लगा है।

महिला समूहों की सराहना: पीएम ने जल संरक्षण की दिशा में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले महिला समूहों की जमकर तारीफ की है। बुंदेलखंड की बबीता राजपूत के जल संरक्षण के प्रयासों की उन्होंने प्रशंसा की। देश के विभिन्न हिस्से से पानी की किल्लत को लेकर जताई गई चिंता का जिक्र करते हुए पीएम ने उप्र की आराध्या की चिट्ठी का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे ही नहीं कहा गया है कि बिन पानी सब सून।

ग्रामीण क्षेत्रों के हर घर तक नल से जल पहुंचाने की योजना 'जल जीवन मिशन' जोर-शोर से चल रहा है। वर्ष 2024 तक इसे पूरा कर लेने का लक्ष्य है। आगामी वित्त वर्ष 2021-22 के आम बजट में शहरी जल जीवन मिशन शुरू किया जाएगा, जिसके लिए 2.87 लाख करोड़ का प्रविधान किया गया है।

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

File No.T-74074/10/2019-WSE DTE
Dainik Jagran, New Delhi
Monday, 1st March 2021; Page: 6
Width: 11.77 cms; Height: 21.71 cms; a4; ID: 39.2021-03-01.44

जल की बात

प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम में जल संरक्षण की महत्ता को जिस तरह रेखांकित किया, उस पर सभी को न केवल ध्यान देना चाहिए, बल्कि अपने-अपने स्तर पर इसकी चिंता भी करनी चाहिए कि पानी का बचाव और उसका सदुपयोग कैसे किया जाए? जल संरक्षण ऐसा काम नहीं जिसे सरकार के भरोसे छोड़ा जा सके। यह काम ढंग से तभी हो सकता है जब लोग भी इसमें जुटें और यह समझें कि जल संरक्षण उनका नैतिक-सामाजिक दायित्व है। प्राचीन काल में आम लोग ही सामुदायिक रूप से जल के परंपरागत स्रोतों की चिंता किया करते थे, लेकिन समय के साथ यह परंपरा कमजोर पड़ गई। इसका नतीजा यह हुआ कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जल के तमाम परंपरागत स्रोत उपेक्षित और नष्ट होते चले गए। इतना ही नहीं, इसी के साथ भूजल के अंधाधुंध दोहन का सिलसिला भी कायम हो गया। निःसंदेह हर कोई इससे अवगत है कि जल के बिना जीवन संभव नहीं, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या हम उसे संरक्षित करने और उसका दुरुपयोग रोकने के लिए वह सब कर रहे हैं, जो आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य हो चुका है? आज जब जल संकट की आहट तेज होती जा रही है और विभिन्न इलाकों में भूगर्भ जल के स्तर में कमी अथवा उसके दूषित होते जाने के तथ्य सामने आने लगे हैं तो हर किसी को चेत जाना चाहिए।

यह अच्छा हुआ कि प्रधानमंत्री ने समय रहते यह संदेश दिया कि जल संरक्षण के लिए हमें अभी से प्रयास शुरू कर देना चाहिए ,क्योंकि आम तौर पर होता यह है कि बारिश आ जाने पर वर्षा जल संरक्षण के उपाय किए जाते हैं। अक्सर ये उपाय आधे-अधूरे या फिर दिखावटी साबित होते हैं। यह किसी से छिपा नहीं कि यदि वर्षा जल संरक्षण संबंधी योजनाएं कागजी साबित हो रही हैं तो आम लोगों की उदासीनता के कारण ही। केंद्र और राज्य सरकारें जल संरक्षण की योजनाएं शुरू कर सकती हैं, लेकिन उन्हें सफलता तो तभी मिलेगी जब लोग उनमें भागीदार बनने के लिए आगे आएंगे। प्रधानमंत्री ने आसपास के जल स्रोतों की सफाई और वर्षा जल के संचयन के लिए देशवासियों से सौ दिनों का कोई अभियान शुरू करने का जो आग्रह किया, उसके अनुरूप अभी से कदम उठाए जाने चाहिए। इससे ही जल शक्ति मंत्रालय की ओर से शुरू किए जाने वाले अभियान 'कैच द रेन' को सफल बनाया जा सकता है। इस अभियान का मूल मंत्र है-पानी जब भी और जहां भी गिरे, उसे बचाना है। जल संरक्षण के हमारे उपाय ऐसे होने चाहिए कि बरसात या फिर सर्दियों के मौसम में जब भी बारिश हो, उसे यथासंभव सहेजा जा सके।

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

File No.T-74074/10/2019-WSE DTE

Navbharat Times, Delhi
Monday, 1st March 2021; Page: 11
Width: 24.55 cms; Height: 21.05 cms; a3r; ID: 27.2021-03-01.115

पीएम मोदी ने किसानों को दिया मंत्र, वैज्ञानिक खेती से बनेंगे आत्मनिर्भर

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में खेती किसानी को विज्ञान से जोड़ने का आह्वान किया। पीएम ने विज्ञान को प्रयोगशाला से खेती-किसानी की ओर आगे बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि इसे सिर्फ भौतिकी और रसायन तक सीमित नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि विज्ञान की शक्ति का आत्मनिर्भर भारत अभियान में भी बहुत योगदान है। उन्होंने कहा कि दुनिया के दूसरे वैज्ञानिकों की तरह देशवासियों को भारत के वैज्ञानिकों के बारे में भी जानना चाहिए। हमें विज्ञान को 'लैब टू लैंड' के मंत्र के साथ आगे बढ़ाना होगा। मोदी ने लोगों से पानी बचाने के लिए 100 दिन का अभियान चलाने की अपील की।

मन की बात में इनकी सुनाई कहानी

पीएम मोदी ने कुछ किसानों के उदाहरण भी दिए जो वैज्ञानिक तौर तरीकों से खेती कर रहे हैं और ना सिर्फ अपनी आय बढ़ा रहे हैं बल्कि अपनी पहचान भी स्थापित कर रहे हैं। यूपी के बाराबंकी के किसान हरिश्चंद्र का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि चिया सीड्स की खेती उनकी आय भी बढ़ाएगी और आत्मनिर्भर भारत अभियान में भी मदद करेगी। पीएम ने बताया कि गुजरात के पाटन जिले में कामराज भाई चौधरी ने घर में ही सहजन के अच्छे बीज विकसित किए हैं। पीएम ने कहा कि हैदराबाद के चिंतला वेंकट रेड्डी जिन्होंने, गेहूं, चावल की ऐसी प्रजातियों का विकास किया जो खासतौर पर 'विटामिन-डी' से युक्त हैं। प्रधानमंत्री ने बताया कि लद्दाख के उरगेन फुत्सौग उतनी ऊंचाई पर ऑर्गेनिक तरीके से खेती करके करीब 20 फसलें उगा रहे हैं वो भी साइक्लिक तरीके से, यानी वो, एक फसल की पराली को, दूसरी फसल में खाद के तौर पर इस्तेमाल कर लेते हैं।

एमपी की बबीता राजपूत की तारीफः जल संरक्षण के लिए मध्यप्रदेश के अगरौठा गांव की महिला बबीता राजपूत की अपने गांव में एक सूख चुकी झील को दोबारा लबालब भरने के लिए किए गए काम की पीएम मोदी ने तारीफ की। मोदी ने कहा कि बबीता ने गांव की ही दूसरी महिलाओं को साथ लिया और झील तक पानी ले जाने के लिए एक नहर बना दी। अब ये झील पानी से भरी रहती है।

File No.T-74074/10/2019-WSE DTE

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

The Hindu, Delhi
Monday, 1st March 2021; Page: 9
Width: 33.78 cms; Height: 28.28 cms; a3r; ID: 19.2021-03-01.60

PM calls for water conservation drive

Modi regrets he could not make effort to learn Tamil, a 'beautiful language'

SPECIAL CORRESPONDENT
NEW DELHI

Prime Minister Narendra Modi on Sunday said there was a need to start conserving water right away and that the Jal Shakti Ministry would be launching a 100-day "catch the rain" campaign soon.

Mr. Modi was speaking during his monthly radio address, *Mann Ki Baat*, when he said there was a need to have collective responsibility on water conservation.

"In most parts of India, rainfall begins in May-June. Can we right away start a 100-day campaign for the sake of cleaning up the water sources around us and conserving rainwater? With this very thought in mind, in a few days from now, Jal Shakti Abhiyan 'catch the rain' is being initiated by the Jal Shakti Ministry," he said, according to the English translation of his address provided by the government.

Since it was National Science Day on Sunday, Mr. Modi said the youth should learn about the history of science in India and scientists.

'Self-reliant India'

"Friends, when we talk of science, many a time people restrict it to physics, chemistry or labs, but the spread of science is much more than that. And there is a lot of contribution of the power of science to the Atmanirbhar Bharat campaign. We have to move science forward with the mantra of 'Lab to Land'," said the Prime Minister.

For making India more self-reliant, Mr. Modi said it was not just "bigger things", such as missiles, aircraft, tanks and Metro trains, that would achieve the goal. He cited the example of a farmer in Uttar Pradesh who has started growing chia seeds.

"Friends, nowadays you must be hearing a lot about chia seeds. People connected to health awareness give a lot of importance to it and it has a lot of demand too in the world. In India, it is mostly sourced from abroad, but now people are taking up the challenge to be self-reliant in chia seeds, too. Similarly, Harishchandra *ji* of Barabanki in Uttar Pradesh has begun farming of chia seeds. Cultivation of chia seeds will also increase his income and will help in the self-reliant India campaign too," he said.

Answering a question from a listener about the one thing he felt he "missed", Mr. Modi said, "I pondered this over and told myself that one of my shortcomings was that I could not make much effort to learn Tamil, the oldest language in the world."

"I could not make myself learn Tamil! It is such a beautiful language, which is popular all over the world. Many people have told me a lot about the quality of Tamil literature and the depth of the poems written in it. India is a land of many languages, which symbolises our culture and pride," the Prime Minister said.

File No.T-74074/10/2019-WSE DTE

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Morning Standard, New Delhi
Monday, 1st March 2021; Page: 8
Width: 12.50 cms; Height: 18.32 cms; a4; ID: 38.2021-03-01.46

'Ganga highly polluted in Rishikesh, Haridwar'

EXPRESS NEWS SERVICE
@ Dehradun

A study conducted by researchers from Doon University has indicated 'very high presence of pollutants' in urban stretches of river Ganga at Rishikesh and Haridwar. The study indicates that millions of pilgrims visiting the two cities, especially Haridwar, for Kumbh festival will be 'exposed to high concentration of water pollutants'.

Surindra Suthar, associate professor in Doon University who led the study, said: "The pollutants include anti-inflammatory and common antibiotics, caffeine and antibacterial medicines, among others. The overall concentration of Polypropylene Copolymer (PPCP) in the stretch was found to be up to 1,104.84 nanograms per litre. Concentration of anti-inflammatory drugs and antibiotics were higher in the winter season, possibly because of decreased biodegradation associated with lower temperature and inadequate sunlight."

The researchers detected this during a study conducted over three seasons on the river stretch along Rishikesh and Haridwar. The stretch of Ganga in Rishikesh and Haridwar is 16kms and 40kms, respectively.

According to researchers, mass bathing, urban waste and effluent from sewage treatment could be a source of PPCPs. The effluent from domestic sewage, discharge from hotels and ashrams reaches the Ganga, causing additional contamination.

Researchers said they analysed the water of Ganga at entry points to the cities and also in spots before it enters a sewage treatment plant. Pollution of Ganga has been a national concern for years. Despite several attempts, not much has been achieved.

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

File No.T-74074/10/2019-WSE DTE

Deccan Chronicle, Hyderabad
Monday, 1st March 2021; Page: 7
Width: 24.38 cms; Height: 14.56 cms; a4r; ID: 10.2021-03-01.58

PM calls for 100-day campaign to clean up all water bodies

New Delhi, Feb. 28: Underlining the importance of collective responsibility towards water conservation, Prime Minister Narendra Modi on Sunday called for a 100-day campaign to clean up all water bodies and prepare them for rain water harvesting before the monsoon season starts.

In his monthly 'Mann Ki Baat' broadcast, Modi said water has been crucial for the development of humankind for centuries. "We have to understand our collective responsibility towards water conservation," he said.

The Prime Minister also said that when people feel proud of indigenous products then Aatmanirbhar Bharat does not just remain an economic programme but becomes a national spirit.

Noting that monsoon will begin in many parts of the country by around May-June, the PM asked can there be a 100-day public campaign to clean up all nearby water bodies and prepare those for rain water conservation.

In this regard, the Union jal shakti ministry is also launching "catch the rain" campaign and its main theme is "catch the rain, where it falls, when it falls", he said. — *PTI*

File No.T-74074/10/2019-WSE DTE
PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार
Deccan Herald, Bengaluru
Monday, 1st March 2021; Page: 8
Width: 15.07 cms; Height: 15.24 cms; a4; ID: 50.2021-03-01.56

Modi's 'catch the rain' pitch to address water woes

SAGAR KULKARNI
NEW DELHI, DHNS

Prime Minister Narendra Modi on Sunday made a strong pitch for water conservation, urging people to 'Catch the Rain' to boost water availability across the country.

Modi, in his monthly 'Mann ki Baat' radio address, asked listeners to clean up water bodies and prepare them to harvest the monsoon even as he recounted age-old water conservation practices from across the country, with a special mention of poll-bound Tamil Nadu.

"This is the best time to think about water conservation in the summer months ahead," he said adding that the Jal Shakti Ministry would launch a 'Catch the Rain' campaign to harvest rainwater. "Catch the rain, where it falls, when it falls," he said unveiling the theme of the campaign.

Narendra Modi

"We shall get existing rainwater harvesting systems repaired, clean up lakes and ponds in villages, remove impediments in the way of water flowing into water sources; thus we shall be able to conserve rainwater to the maximum," the PM said.

He highlighted water conservation practices across the country from Uttarakhand to parched areas of Bundelkhand and made a special mention of Tamil Nadu, where elections are due in April. "There was a time when in villages, people would collectively look after wells and ponds. Now one such effort is underway at Thiruvannamalai, Tamilnadu. ... These people are rejuvenating public wells in their vicinity that had been lying unused for years," Modi said.

Modi also cited the example of Murugesan from Madurai who makes ropes from banana waste and expressed regret over not learning the beautiful language Tamil.

"... one of my shortcomings was that I could not make much effort to learn Tamil, the oldest language in the world; I could not make myself learn Tamil," Modi said in response to a question from a listener. "It is such a beautiful language, which is popular all over the world. Many people have told me a lot about the quality of Tamil literature and the depth of the poems written in it," the prime minister said.

File No.T-74074/10/2019-WSE DTE

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Deccan Herald, Bengaluru
Monday, 1st March 2021; Page: 3
Width: 9.82 cms; Height: 9.65 cms; a4; ID: 50.2021-03-01.20

Citizens take part in drive to clean Kothanur Lake

BENGALURU, DHNS: Citizens and volunteers residing in and around JP Nagar 7th and 8th Phase on Sunday joined in the drive to clean the space around Kothanur Lake.

More than 100 volunteers took part in the clean-up work that went on for four hours.

Volunteers went around the 19-acre lake to pick up plastic waste strewn around by local residents.

B R Shivaswamy, president of the Kothanur Lake Development Association, said about 1.25 tonnes of garbage had been collected and handed over to the Bruhat Bengaluru Mahanagara Palike for disposal.

This apart, the volunteers also conducted an awareness campaign around the lake, urging the public not to litter the shore.

They also took an oath with the slogan—Don't throw garbage and don't allow others to throw.

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

File No.T-74074/10/2019-WSE DTE
New Indian Express, Chennai
Monday, 1st March 2021; Page: 8
Width: 29.04 cms; Height: 42.67 cms; a3; ID: 23.2021-03-01.39

'Ganga highly polluted in Rishikesh, Haridwar'

EXPRESS NEWS SERVICE
@ Dehradun

A study conducted by researchers from Doon University has indicated 'very high presence of pollutants' in urban stretches of river Ganga at Rishikesh and Haridwar. The study indicates that millions of pilgrims visiting the two cities, especially Haridwar, for Kumbh festival will be 'exposed to high concentration of water pollutants'.

Surindra Suthar, associate professor in Doon University who led the study, said: "The pollutants include anti-inflammatory and common antibiotics, caffeine and antibacterial medicines, among others. The overall concentration of Polypropylene Copolymer (PPCP) in the stretch was found to be up to 1,104.84 nanograms per litre. Concentration of anti-inflammatory drugs and antibiotics were higher in the winter season, possibly because of decreased biodegradation associated with lower temperature and inadequate sunlight."

The researchers detected this during a study conducted over three seasons on the river stretch along Rishikesh and Haridwar. The stretch of Ganga in Rishikesh and Haridwar is 16kms and 40kms, respectively.

According to researchers, mass bathing, urban waste and effluent from sewage treatment could be a source of PPCPs. The effluent from domestic sewage, discharge from hotels and ashrams reaches the Ganga, causing additional contamination.

Researchers said they analysed the water of Ganga at entry points to the cities and also in spots before it enters a sewage treatment plant. Pollution of Ganga has been a national concern for years. Despite several attempts, not much has been achieved.

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

File No.T-74074/10/2019-WSE DTE
Pioneer, Delhi
Monday, 1st March 2021; Page: 4
Width: 24.72 cms; Height: 43.52 cms; a3; ID: 5.2021-03-01.36

India must focus on water conservation: PM

PNS ■ NEW DELHI

Asking the country to think ahead, Prime Minister Narendra Modi on Sunday highlighted the need for water conservation saying the Government would "in a few days" launch a campaign 'Catch the Rain' "where it falls when it falls."

In his monthly radio-talk 'mann ki baat', Modi called for a 100-day campaign to clean up water bodies and harvest rain-water.

"This is the best time to think about water conservation in the summer months ahead. Water has been crucial for the development of humankind for centuries," he said.

In his 74th edition, second for 2021, radio address Prime Minister touched on various issues concerning the nation, including water conservation, coronavirus and self-reliance.

"Many people from across the country are contributing to Atmanirbhar Bharat... Aatmanirbhar Bharat is not merely a Government efforts.It is the national spirit of India," said Modi.

Modi stressed the importance of water conservation during his address and announced that the Jal Shakti Ministry would soon launch a water conservation campaign called 'Catch the Rain'

"On March 22, World Water Day will be celebrated. We must understand our responsibility towards water conservation. In a few days, the Jal Shakti Ministry will launch a campaign Catch the Rain. Its slogan is Catch the Rain, where it falls when it falls. This is the best time to think about water conservation in the summer months ahead. Water has been crucial for the development of humankind for centuries," he said.

To motivate people towards nature conservation Modi gave an example of Jadev Payeng of Assam. "He has actively contributed towards 300 hectares plantations in Majuli island in Assam. He has been working for forest conservation and has been inspiring people on plantation and conservation of biodiversity", he said.

Wishing students ahead of their examinations, Modi said, 'Be a warrior, not worrier.' He also invited parents, teachers for their suggestion for "Pariksha pe Charcha."

In his address ,Modi urged sports ministry to promote sports commentary in regional culture

"We need to think about promoting commentary of Indian sports in regional languages,' Prime Minister said.

"We must think about promoting it. I would urge the sports ministry and private institutions to think about it," he said.

Do you ever feel that something is still missing? asked a listener to which he mentioned his "insufficient efforts" to pick-up Tamil language.

"You have been PM and CM for so many years. Do you ever feel that something is still missing? asked a listener," the listener had asked.

"I could not make sufficient efforts to learn world's most ancient language Tamil. I could not learn Tamil," said Modi in his response.

Extending greetings to the people on 'National Science Day', Prime Minister noted the immense role that, he said, played by Science in making the country self-reliant.

"Today is National Science Day. It is dedicated to the discovery of the 'Raman Effect' by scientist Dr CV Raman. Our youth should read a lot about Indian scientists and understand the history of Indian science," said Modi.

"In self-reliant India, there is immense contribution of science. We will have to take science forward with the mantra of "lab to land," he added.

Modi began his address by invoking saint-poet Sant Ravidas, a day after the nation remembered him on his anniversary.

"Sant Ravidas Ji taught us-keep working, do not expect anything...when this is done there will be satisfaction. He taught people to go beyond conventional thinking. Sant Ravidas Ji spoke directly and honestly about various issues. He was fearless. We bow to Sant Ravidas Ji on his Jayanti. His thoughts inspire us," said the Prime Minister.

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

File No.T-74074/10/2019-WSE DTE
Tribune, Delhi
Monday, 1st March 2021; Page: 3
Width: 39.00 cms; Height: 39.37 cms; a3; ID: 3.2021-03-01.67

Remove encroachments: Saraswati board to public

NITISH SHARMA
TRIBUNE NEWS SERVICE

KURUKSHETRA, FEBRUARY 28

To increase the water-carrying capacity of the Saraswati and ensure natural flow of the river, the Haryana Saraswati Heritage Development Board has appealed to the public to remove encroachments from the river, failing which action will be taken against them.

From Pipli to the SYL canal, the length of the Saraswati is about 70,000 feet. While the width of the Saraswati in the Pipli area is about 65 feet, it reduces to between 15 feet and 30 feet towards the city due to the development of colonies, badly affected the natural flow of the river.

"Demarcation of the Saraswati is being carried out and encroachments have come to notice at several locations between Pipli and Jyotisar. Officials have been asked to complete their demarcation at the earliest and put up a report regarding encroachments identified so that land could be freed," said Dhuman Singh Kirmach, deputy chairman of the board.

"There are over 20 locations where encroachments have been identified. At present, the board is appealing to people to remove encroachments, including domestic and commercial, on their own. The board will start sending notices to them soon and action will be taken accordingly. A meeting in this regard will be held with district officials soon," he said.

"We have big plans for the Saraswati and there is a need to ensure smooth flow of water. After removing the encroachments, the banks of the river will be strengthened and beautified. It will help in increasing the water-carrying capacity of the river and prevent a flood-like situation in Thanesar," he said.

OFFICIALS ASKED TO SUBMIT REPORT

> There are encroachments at several places between Pipli and Jyotisar. Officials have been asked to complete the demarcation of the river soon and submit a report on encroachments. **Dhuman Singh Kirmach,**
>
> DY CHAIRMAN, SARASWATI HERITAGE DEVELOPMENT BOARD

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

File No.T-74074/10/2019-WSE DTE

Asian Age, Delhi
Monday, 1st March 2021; Page: 3
Width: 24.13 cms; Height: 18.71 cms; a3r; ID: 11.2021-03-01.41

PM calls for 100-day campaign to clean up all water bodies

New Delhi, Feb. 28: Underlining the importance of collective responsibility towards water conservation, Prime Minister Narendra Modi on Sunday called for a 100-day campaign to clean up all water bodies and prepare them for rain water harvesting before the monsoon season starts.

In his monthly *Mann Ki Baat* broadcast, Mr Modi said water has been crucial for the development of humankind for centuries.

"We have to understand our collective responsibility towards water conservation," he said.

The Prime Minister also said that when people feel proud of indigenous products then Aatma Nirbhar Bharat does not just remain an economic programme but becomes a national spirit.

Noting that monsoon will begin in many parts of the country by around May-June, the Prime Minister asked can there be a 100-day public campaign to clean up all nearby water bodies and prepare those for rain water conservation.

In this regard, the Union jal shakti ministry is also launching "Catch the rain" campaign and its main theme is "catch the rain, where it falls, when it falls", he said.

"This is the best time to think about water conservation in the summer months ahead," Mr Modi said.

He also said there is a need to make science more popular across the country and asserted that science cannot be limited to physics-chemistry and labs. Mr Modi called for expanding science with a mantra of "'lab to land".

During the broadcast, the Prime Minister also rued not being able to make enough efforts to learn the world's oldest language, Tamil. — *PTI*

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

File No.T-74074/10/2019-WSE DTE

Tribune, Delhi
Monday, 1st March 2021; Page: 1
Width: 39.07 cms; Height: 30.38 cms; a3r; ID: 3.2021-03-01.6

PM Modi calls for 100-day drive to clean water bodies

NEW DELHI, FEBRUARY 28

Underlining the importance of collective responsibility towards water conservation, PM Narendra Modi on Sunday called for a 100-day campaign to clean all water bodies and prepare these for rainwater harvesting before the monsoon season begins.

In his monthly "Mann Ki Baat" broadcast, Modi said the Jal Shakti Ministry was also launching a "catch the rain" campaign. "This is the best time to think about water conservation in view of the summer months ahead," Modi said.

COLLECTIVE DUTY

"Water is crucial for our development. We have to understand our collective responsibility towards its conservation

Narendra Modi, PRIME MINISTER

He said the Atmanirbhar Bharat campaign should not just remain an economic campaign, but become a national spirit. "It will be possible when every person in the country takes pride in indigenous products and connects with the idea of self-reliance," he said.

Citing examples of indigenous fighter jets, tanks and missiles, the PM said: "Our heads are held high when we see made in India coaches in metro trains in advanced nations or India-made Covid vaccines reaching other countries." — TNS

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

File No.T-74074/10/2019-WSE DTE

Times of India, New Delhi
Monday, 1st March 2021; Page: 16
Width: 33.36 cms; Height: 14.51 cms; a3r; ID: 36.2021-03-01.102

Be a warrior, not a worrier: PM to students

Modi Invokes Atmanirbharta, Calls For Water Harvesting

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Wishing students ahead of their examinations, PM Narendra Modi on Sunday urged them to "be a warrior, not a worrier" as he invited parents and teachers to give suggestions for 'Pariksha pe Charcha". Speaking in his monthly radio programme 'Mann ki Baat', the PM also urged the youth to think beyond traditional ways.

Noting that the next few months were of special importance for students with board and other exams approaching, Modi said, "You have to become a warrior, not a worrier, go gleefully for the examination and come back with a smile. You have to compete with yourself, not with anyone else. Get adequate sleep and be mindful of time management. Do not stop playing, for those who play are the ones that blossom. Revision and smart methods of memorisation are to be adopted, that is, overall, in these exams, you have to bring out your best."

He said due to pressures of traditional thinking, the youth were often not able to do what they really liked.

"That is why you should never hesitate in thinking new, doing new. In the same manner Sant Ravidasji has given another important message. This message is 'to stand on one's own feet'. It is not fair at all that we remain dependent on others for our dreams. Things remaining the way they are... Ravidasji was never in favour of this." Modi underlined that Aatmanirbhar Bharat was not just a government policy but a national spirit, and said the mantra of self-reliant India was reaching the villages. He called for a 100-day campaign to clean all water bodies and prepare them for rainwater harvesting before the monsoon started. Stressing the importance of collective responsibility towards water conservation, he said the jal shakti ministry would soon initiate a 'catch the rain' campaign with its main theme being "catch the rain where it falls, when it falls".

The PM rued not being able to make enough efforts to learn Tamil. "In the run-up to Mann ki Baat, I was asked if there was something I missed out on during these long years as chief minister and Prime Minister. I feel, it is a regret of sorts, that I could not make enough efforts to learn the world's oldest language, Tamil. Tamil literature is beautiful," he said.

ANI

Stressing the importance of water conservation, PM Narendra Modi said the Union jal shakti ministry will soon initiate a 'catch the rain' campaign